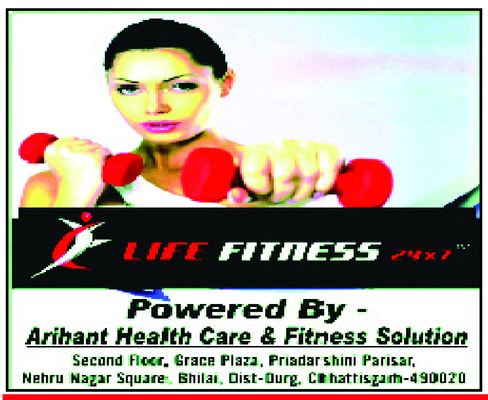

चिन्तक

संस्थापक- स्व.श्री रामचंद्र गुप्ता
www.dainikchintak.com
facebook.com/dainikchintak.com

छत्तीसगढ का सर्वाधिक प्रसारित दैनिक

E-mail
dainikchintak @ yahoo.com
dainikchintak @ gmail.com

स्थापना वर्ष : 1965 | वर्ष 56- अंक -51 R.N.I. No 63636/1995 | दुर्ग सोमवार 3 जनवरी 2022 | पं.क्रं. छ.ग. दुर्ग /07/18-20 | पृष्ठ-8 मूल्य-2.00 रुपये

संक्षिप्त समाचार

जीपी सिंह की गिरफ्तारी पर रोक की याचिका खारिज

रायपुर (चिन्तक)। छत्तीसगढ़ के निलंबित आईपीएस जीपी सिंह को आज सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा। चीफ जस्टिस ने गिरफ्तारी पर रोक लगाने की याचिका खारिज कर दी है। जीपी सिंह हाईकोर्ट में गिरफ्तारी पर रोक और जांच पर स्टे न मिलने पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। जीपी सिंह की तरफ से सीनियर एडवोकेट यूआर ललित खड़े हुए थे। वकीलों की टीम में दिवंगत भाजपा नेत्री सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज भी शामिल थी। सरकार की तरफ से मुकुल रोहतगी खड़े हुए। मगर सीजेआई ने मुकुल रोहतगी को सुने बिना याचिका खारिज कर दी। याचिका खारिज होने के बाद जीपी सिंह के पास सरंडर के अलावा कोई चारा नहीं बचा है।

पांच हजार वर्गफीट तक के मकानों को मिलेगी भवन अनुज्ञा

रायपुर (चिन्तक)। छत्तीसगढ़ में अब बिना हस्तक्षेप के भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र जारी किये जाएंगे। 5 हजार वर्गफीट तक के मकानों को भवन अनुज्ञा मिलेगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज राजधानी में नये भवन अनुज्ञा पोर्टल का शुभारंभ किया।

पाकिस्तानी संस्था को नहीं मिलेगी जमीन

रायपुर(चिन्तक)। पाकिस्तानी संस्था को जमीन देने तथा विवाद बढ़ने के बाद उसे वापस लेने का मामला प्रकाश में आया है। वहीं इस मामले को लेकर दो अधिकारियों को नोटिस भी जारी कर दी गई है। जानकारी के अनुसार एक इश्तिहार भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया था। जिसमें दावते इस्लामी की तरफ से 10 हेक्टेयर जमीन रायपुर के बोरियाखुर्द में मांगी गई थी। यह जमीन सामुदायिक भवन के लिए मांगी गई थी। इश्तिहार में जमीन दिए जाने पर दावा आपत्ति की बात की गई थी। रविवार को ही भारतीय जनता पार्टी के विधायक और पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने इस पूरे मामले में सवाल खड़े किए थे और कहा था कि आखिर किस वजह से इस संगठन को आनन-फानन में यह जमीन बांटी जा रही है। इस विरोध के बाद जिला प्रशासन ने कहा कि 10 हेक्टेयर जमीन दावते इस्लामी को नहीं दी जा रही है। संगठन ने आवेदन 10 हजार वर्ग फीट जमीन के लिए किया था, इस आवेदन को भी निरस्त कर दिया गया है। रायपुर के अनुविभागीय दंडाधिकारी देवेंद्र पटेल ने स्पष्ट किया है कि संस्था दावते इस्लामी आवेदन निरस्त कर इस मामले की फाइल क्लोज की जा चुकी है। उन्होंने बताया है कि आवेदक संस्था दावते इस्लामी की ओर से सय्यद कलीम ने सामुदायिक भवन के लिए बोरियाखुर्द 10 हेक्टेयर मांगी थी। इसके लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय में 28 जनवरी 2021 को आवेदन दिया गया था।

बहुत घमंड में थे पीएम मोदी-मलिक

राज्यपाल ने कहा, मेरा उनसे झगड़ा हो गया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक कृषि कानूनों को लेकर लगातार मोदी सरकार पर मुखर रहे हैं। हालांकि कृषि कानूनों की वापसी के बाद उन्होंने पीएम मोदी की तारीफ भी की थी लेकिन एक बार फिर से उन्होंने सीधे प्रधानमंत्री पर हमला बोला है।

दादरी में उन्होंने किसानों के बाद कहा कि पीएम से मैं मिलने गया तो वो बहुत घमंड में थे, मेरा उनसे झगड़ा हो गया। इतना ही नहीं उन्होंने बताया कि पीएम मोदी ने उनसे क्या कहा है। असल, हरियाणा के दादरी में किसानों के एक कार्यक्रम में मेघालय के गवर्नर सत्यपाल मलिक रविवार को पहुंचे थे। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसी कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मैं जब किसानों के मामले में प्रधानमंत्री जी से मिलने गया तो उनसे मेरी पांच मिनट में लड़ाई हो गई। वो बहुत घमंड में थे। जब मैंने उनसे कहा कि हमारे 500 लोग मर गए तो उन्होंने कहा कि मेरे लिए मरे हैं क्या। मैंने कहा आपके लिए ही तो मरे थे जो आप राजा बने हुए हो। फिर उन्होंने कहा कि आप अमित शाह से मिल लो। मैं अमित शाह से मिला। भारतीय सेना का आया बयान इतना ही नहीं इसके बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कृषि कानूनों को वापस लेने के सरकार के फैसले पर कहा कि प्रधानमंत्री ने जो कहा उसके अलावा वो कह भी क्या सकते थे। हमने अपने पक्ष में फैसला कराया है। मलिक ने कहा कि वे राज्यपाल, मंत्री, सांसद व विधायक रह चुके हैं। लेकिन सेवानिवृति के बाद उनके पास रहने के लिए अपना मकान नहीं है। हमेशा ईमानदारी से काम किया। यही उनकी ताकत है। मलिक ने कहा कि इसी ताकत की बदौलत ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पंगा लिया है। उन्होंने कहा कि लोगों की एकता व सभी परिस्थितियों में डटे रहने की वजह से ही तीनों कृषि कानून वापिस हुए हैं। चौधरी चरण सिंह के दिखाए मार्ग पर चलते हुए वे किसी भी स्थिति में किसानों व अपने लोगों का साथ नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि यदि दोबारा से आंदोलन हुआ तो वे राज्यपाल पद भी छोड़ देंगे। हालांकि इस दौरान उन्होंने भ्रष्टाचार पर किसी प्रकार का समझौता न करने की बात कहने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ भी की है। मेघायल के गवर्नर सत्यपाल मलिक पिछले काफी समय से कई बार किसानों के मुद्दे पर सरकार की लाइन से हटकर बयान दे चुके हैं। इतना ही नहीं कई बार वह सरकार की आलोचना भी कर चुके हैं। हालांकि कृषि कानूनों की वापसी के बाद मलिक ने पीएम मोदी की जमकर प्रशंसा भी की थी। उन्होंने फैसले का स्वागत करते हुए कहा था कि देर आए, दुरुस्त आए।

महापौर के लिए कोसरे व सभापति के लिए कृष्णा ने भरा नामांकन

भिलाई-चरोदा (चिन्तक)। भिलाई-चरोदा निगम में महापौर व सभापति के निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

दोपहर 12 बजे तक महापौर पद के लिए कांग्रेस से निर्मल कोसरे व भाजपा से नंदिनी जांगड़े तथा सभापति पद के लिए कांग्रेस से कृष्णा चन्द्राकर व भाजपा से चन्द्रप्रकाश पाण्डेय ने नामांकन दाखिल कर दिया है। दोपहर 12.30 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच का काम किया गया। 1 से 2 बजे के बीच मतदान होगा। उसके बाद परिणाम घोषित किये जाएंगे। भिलाईतीन-चरोदा में कांग्रेस बहुमत में हैं। इस लिहाज से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि महापौर पद पर निर्मल कोसरे व सभापति पद पर कृष्णा चन्द्राकर की ताजपोशी होगी। इससे पूर्व जिलधीश ने सभी निर्वाचित पार्षदों को शपथ दिलवाई।

कोरोना के बढ़ते मामलों से क्या फिर बंद होगी स्कूलें !

बड़े आयोजनों पर रोक लगाने मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को दिये निर्देश

रायपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कोविड-19 की स्थिति की आपात समीक्षा करने अपने निवास में बैठक ली। इसमें गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू सहित अन्य मंत्रियों में रवीन्द्र चौबे, मो. अकबर, शिवकुमार डहरिया, मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव व स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव सहित अन्य मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने इन सभी अधिकारियों को पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को बड़े आयोजनों पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं।

दुर्ग (चिन्तक)। प्रदेश में कोरोना संक्रमितों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ने के साथ ही दुर्ग जिले में भी करोनो ने फिर से दस्तक दे दी है। ऐसे में स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों के पालकों में भी बच्चों में संक्रमण न फैले इसका भय बना हुआ है। रविवार को दुर्ग जिले में कोरोना संक्रमितों के 33 मामले सामने आए हैं, जिसमें दस वर्ष के दो छोटे बच्चे भी शामिल हैं। रविवार को राजधानी रायपुर में 5 बच्चों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इनकी उम्र 6 से 15 वर्ष के बीच है। ऐसे में पालकों को अपने बच्चों को स्कूल भेजने को लेकर चिंता बढ़ गई है।

ज्ञात हो कि राज्य सरकार ने कैबिनेट की बैठक में 100 फीसदी उपस्थिति के साथ स्कूल खोलने का निर्णय लिया था। इसके बाद शिक्षा विभाग द्वारा 27 नवंबर को इस आशय का आदेश भी जारी कर दिया गया। स्कूल संचालकों को कोरोना गाइड लाइन का कड़ाई से पालन करने की शर्त पर स्कूल शुरू भी हो गया। वर्तमान में प्रदेश सहित दुर्ग जिले में कोरोना के बढ़ते मामलों से पालक फिर से दहशत में है। पालक बच्चों को पढ़ने स्कूल तो भेज रहे हैं लेकिन उनके मन में डर समाया हुआ है। स्कूल खुलने के साथ ही ऑनलाइन क्लास का संचालन भी किया जा रहा है। पालकों का कहना है कि ऑनलाइन क्लास के माध्यम से पढ़ने से बच्चे पढ़ाई में पिछड़ते जा रहे हैं। इसलिए बच्चों को स्कूल भेजा जाने लगा। वहीं कई परिवार ऐसे भी हैं जिनके पास महंगे एन्ड्राइड मोबादल नहीं होने के चलते आज भी बच्चों ऑनलाइन क्लास का फायदा नहीं उठा पा रहे हैं। मजबूरीबश ऐसे पालकों द्वारा बच्चों को स्कूल भेजना ही एक मात्र रास्ता था, ताकि बच्चे पढ़ाई से न पीछड़ जाए।

ऑनलाइन क्लासेस से बेहतर है स्कूल में पढ़ाई

पालकों का कहना है कि काफी लंबे समय से ऑनलाइन क्लास एटेंड करते-करते बच्चे बोर हो गये थे और पढ़ाई में मन नहीं लग रहा था। ऑनलाइन क्लासेस व स्कूल की पढ़ाई में बहुत अंतर है। बोरियत से बचने स्कूली बच्चे भी स्कूल जाने की जीद करने लगे। सालों बाद खुले स्कूल पहुंचने पर मित्रों से मिलकर बच्चों के चेहरे भी खिल उठे। ऐसे में अब लगभग सभी बच्चे ऑनलाइन क्लास के माध्यम से पढ़ाई करने के बजाए स्कूल जाना ही बेहतर समझते हैं। इसलिए स्कूलों में भी बच्चों की संख्या बढ़ने लगी। वहीं वर्तमान में दुर्ग जिले में कोरोना के बढ़ते मामले व कोरोना के नए वेरिएंट से छात्र-छात्राएं व उनके पालकगण चिंतित है कि कहीं स्कूल फिर से बंद न हो जाए। स्कूल जाने से विद्यार्थियों खासकर छोटे बच्चों की पढ़ाई पटरी में आने लगी थी। वहीं छोटे बच्चों को ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से पढ़ाने में भी शिक्षकों को परेशानी हो रही थी। इस कारण स्कूल खुलने के बाद खासकर छोटे बच्चों को परिजनों द्वारा स्कूल भेजा जाने लगा।

स्कूल खुलने के बाद अब तक 40 बच्चे संक्रमित

स्कूल खुलने के बाद से प्रदेश में अब तक लगभग 40 बच्चे कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। रायगढ़ स्थित नवोदय विद्यालय में पिछले सप्ताह 35 से अधिक विद्यार्थी और स्कूल स्टाफ कोरोना संक्रमण की चपेट में आ गये थे। कई मामले सामने आने के बाद स्कूल को कंटेनमेंट जोन घोषित कर आवाजाही पर रोक लगा दी गई। वहीं दूसरे स्कूलों में भी कोरोना के कई मामले सामने आ चुके हैं। पिछले 5 दिनों में प्रदेश के स्कूलों में करीब 40 बच्चे कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से देर रात जारी बुलेटिन में बताया गया है कि रविवार को दिन भर में कोरोना के 15 हजार 978 नमूनों की जांच हुई। इसमें 290 लोग कोरोना से संक्रमित पाए गए। वहीं बिलासपुर में 52, कोरबा में 40, रायगढ़ में 37 और दुर्ग में 33 मरीजों का पता चला है। अब कोरोना के एक्टिव केस की बात करें तो रायगढ़ में 257, बिलासपुर में 235, दुर्ग में 112, कोरबा में 97 और जांजगीर-चांपा जिले में कोरोना के 69 मामले दर्ज किये गए।

रायपुर

राजधानी रायपुर में रविवार को 90 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई। रविवार को रायपुर के शंकर नगर, भाटागांव, सिंगापुर सिटी, वालफोर्ट सिटी, कमल विहार, डीडी नगर, निमोरा, सड्डू, श्री नगर, सदानंद नगर, संजय नगर, रायपुरा, मोवा, विधायक कॉलोनी, सुंदर नगर, देवेंद्र नगर, सेजबहार, चंगोराभाटा, कचना, स्वणर्भूमि, चौबे कॉलोनी, समता कॉलोनी, सिविल लाइंस, वल्लभ नगर, संतोषी नगर, कोटा, पचपेड़ी नाका और सुधर्म जैन विहार में कोरोना के मरीज मिले। आईआईटी भिलाई के रायपुर स्थित परिसर को कंटेनमेंट जोन बना दिया है। यहां दो दिन पहले यहां पांच स्टूडेंट कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। उसके बाद उनके कमरों को सील कर दिया गया था। अब परिसर को कंटेनमेंट जोन बनाकर कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग की जा रही है। वहीं माना स्थित छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की चौथी बटालियन में भी कोरोना संक्रमण ने दस्तक दी है। अमलीडीह की पुलिस कॉलोनी में भी एक केस मिला है। रोहिणीपुरम के एक शिक्षण संस्थान में भी दो व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। नवा रायपुर, आरंग, तिल्दा में भी कोरोना के केस सामने आए हैं।

बिलासपुर

बिलासपुर में कोरोना की रफ्तार बढ़ने के साथ ही एक्टिव केस की संख्या 235 पर पहुंच गई है। रविवार को एसडीएम के साथ ही शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग व यूनिवर्सिटी के साथ ही वकील समेत 52 कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। रविवार को एसडीएम पुलक भट्टाचार्य के साथ ही यूनिवर्सिटी की इकोनॉमिक्स विभाग की प्रोफेसर मनीषा दुबे, रेलवे, बैंक कर्मी सहित जिले में 52 नए कोरोना मरीजों की पहचान की गई। एक बार फिर अस्पताल, हॉस्पिटल, शिक्षा विभाग, यूनिवर्सिटी सहित 42 इलाकों में नए मरीज मिले हैं। कुल संक्रमितों की संख्या 65 हजार 561 पर पहुंच गई है। बिलासपुर के पावर हाउस चौक हेमू नगर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी देवरीखुर्द, तोरवा, अचर्ना विहार, कुदुदण्ड, बालाजी ग्रीन होम मोपका, हंसा विहार, गुरूघासीदास विश्वविद्यालय, वार्ड नंबर 7 तखतपुर, गंगा नगर, बंगला वार्ड रेलवे कॉलोनी, शंकर नगर, विनोबा नगर, उसलापुर, अंबा टावर, राजकिशोर नगर, राजेंद्र नगर, अपोलो हॉस्पिटल, कृष्णा हॉस्पिटल, कश्यप कॉलोनी, पुलिस लाइन, श्रीकांत वर्मा मार्ग, व्यापार विहार, टीकरापारा, वैशाली नगर, दयालबंद, मोपका, विवेकानंद नगर, सोनगंगा कॉलोनी, महर्षि स्कूल रोड मंगला, रिसदा मस्तूरी, और कोटा में नए मरीज मिले हैं।

दुर्ग

दुर्ग जिले में रविवार को कुल 33 कोरोना मरीज मिलने की पुष्टि हुई है। दूसरी लहर के बाद पहली बार संक्रमण दर 4.5 % हुई है। क्योंकि 733 सैंपलों की जांच में 33 सैंपल संक्रमित पाए गए हैं। एक दिन पहले शनिवार को जिले में 1294 सैंपलों की जांच में 24 मरीज मिले थे। तब संक्रमण दर 1.8% आई थी। दो दिन में 2.7 % की वृद्धि दर्ज हुई है। इससे महामारी के संकेत प्रबल हो गए हैं। क्योंकि संक्रमण 2% से दोगुना हो गई है। नए मरीजों से जिले में अब तक मिले कुल कोरोना मरीजों की संख्या 97190 हो गई है। इसमें 95272 मरीज रिकवर हुए और 1806 की मौत हो गई है। बता दें कि इससे पहले कोरोना की दूसरी लहर के पीक पर संक्रमण की दर थी, जो जून 2020 में आई थी। उसके बाद से संक्रमण दर पूरी तरह नीचे आ गया था। 142 दिनों बाद जिले में एक्टिव मरीजों की संख्या 100 पर जाकर 112 हो गई है। इससे पहले दूसरी लहर में 12 अगस्त तक जिले में 102 एक्टिव मरीज हुआ करते थे। इधर एक्टिव मरीजों के मामले में दुर्ग जिले प्रदेश के टॉप 5 जिलों में शामिल हो गया है। पिछले कुछ दिनों के अंतराल में दुर्ग में कोरोना से प्रभावित मरीजों की संख्या में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है।

रायगढ़

रायगढ़ में रविवार को 37 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। यहां एक्टिव मामलों की संख्या 257 पहुंच गई है। रविवार को मिले 37 संक्रमितों में से 12 पॉजिटिव मरीज रायगढ़ शहर के ही है। तमनार के 5 लोग चपेट में आए हैं। शहर में फिर से मेडिकल कॉलेज से एक डॉक्टर के पॉजिटिव होने के साथ ही 3 साल की एक बच्ची के अलावा 29 साल की एक महिला पॉजिटिव आई है। 21 साल की नर्सिंग कॉलेज की स्टूडेंट्स पॉजिटिव आई है। तीन-चार दिन में लगातार पॉजिटिव मरीज मिल रहे हैं। धरमजयगढ़ के सिसरिंगा में भी तीन और रिलो छाल से भी संक्रमित मिले हैं। कोरोना से रविवार को जिले से 10 लोग ठीक हुए हैं। अधिकांश होम आइसोलेशन में हैं।

कोरबा

कोरबा जिले में रविवार को 40 नए संक्रमित मिले है। दूसरी लहर के बाद पहली बार इतने तादात में कोरोना संक्रमित जिले में मिले हैं। रविवार को मिले संक्रमितों में 10 वर्ष के बच्चे से लेकर 70 वर्ष के बुजुर्ग तक शामिल है। दिसंबर माह में कुल 91 संक्रमित मिल चुके हैं। कटघोरा और कोरबा हॉट स्पॉट के रूप में सामने आ रहे है। अब तक कटघोरा ग्रामीण क्षेत्र से 14, कटघोरा शहरी से 4, कोरबा ग्रामीण से 1 और शहर क्षेत्र से 18 तो पाली ब्लॉक से 3 संक्रमित मिले हैं। संक्रमितों में 26 पुरुष और 14 महिलाएं शामिल हैं। कटघोरा के एक ही परिवार के 5 सदस्य संक्रमित है, जिनमें 13 वर्ष की एक बच्ची भी शामिल है। ब्लॉक के कावेरी विहार एनटीपीसी टाउनशिप, कटघोरा वार्ड-3, गोयल चाल, वार्ड-14 कारखाना एरिया, सुभाष नगर दीपका, झाबर, छुरीकला वार्ड-6 व 7, कसनिया क्षेत्र से संक्रमित मिले हैं। कोरबा विकासखंड में एमपी नगर, पावर इम्पिरिया, ईएसआईसी अस्पताल, परसाभाठा बालको, एसईसीएल एजीएम कॉलोनी कोरबा, पथर्रीपारा, आरएसएस नगर, एमपी नगर विस्तार, मानिकपुर, टीपी नगर, साडा कॉलोनी बालको, ओम फ्लेट रामपुर, बीच बस्ती जामबहार से संक्रमित मिले हैं।